Department of Sociology & Public Administration
Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind
Event: Awareness Rally on 'Gender Sensitization in Indian Society'
9th February, 2024

An awareness rally on "Gender Sensitization in Indian society" was organized on 9th February, 2024 under the joint aegis of Department of Public Administration and Department of Sociology of Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind. The rally was presided over by Principal of the college Dr. Punam Mor and conducted by Dr. Rachna Dalal, Assistant Professor of Public Administration Department and Mrs. Jyoti Jaglan, Assistant Professor of Sociology Department. The Principal of the college Dr. Punam Mor said that in the constitution of independent India, both men and women have been given equal rights. But still in Indian society, women are still considered inferior to men and various types of restrictions are imposed on them. She said that gender difference is cultural and not natural. Gender discrimination is man-made, only humans can change it. Due to gender discrimination, violence against women is increasing today; to bring them into the mainstream and empower them, the entire society needs gender independence. The Principal of the college Dr. Punam Mor said that for the development of Indian society, it is necessary to give equal rights to men in every field to women. Because 'An Equal World is an Empowered World' means that for the world to be empowered, it is necessary to have equality in it. 60 students of the college participated in the awareness rally. The students said 'Women's rights, human rights', 'If boys are the pride of the house, then girls are also the pride of Babylon' and 'if women are strong, then the world will be empowered'. By taking out awareness rally with slogans an attempt was made by the students to make the people of Jind aware about ending gender discrimination and to give equal rights to their sons and daughters.

Glimpses & Media Coverage of the Event

जीन्द, मंगलवार, 13 फरवरी, 2024

www.jagatkranti.co.in

छात्राओं द्वारा जेंडर सेंसिटाइजेशन रैली का आयोजन

जगत क्रान्ति ▸▸ जींद

हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद के लोक प्रशासन विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारत में जेंडर सेंसिटाइजेशन रैली का आयोजन किया गया। रैली की अध्यक्षता प्राचार्या डॉक्टर पूनम मोर ने एवं संचालन लोक प्रशासन विभाग की प्राध्यापिका डॉक्टर रचना दलाल तथा समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका ज्योति जागलान ने किया। प्राचार्या डॉक्टर पूनम मोर ने कहा कि स्वतंत्र भारत के संविधान में स्त्री-पुरुष दोनों को समानता का अधिकार दिया गया है। परंतु फिर भी भारतीय समाज में आज भी महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कम आंका जाता है, उन पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि जेंडर भेद सांस्कृतिक है न कि प्राकृतिक। जेंडर भेद मानव निर्मित है, उसे मानव ही बदल सकता है।

जेंडर भेद के कारण ही महिलाओं पर हिंसा आज बढ़ती जा रही है, उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए एवं सशक्त बनाने के लिए आज पूरे समाज को जेंडर स्वदेशीलता की जरूरत है। प्राचार्या डॉक्टर पूनम मोर जी ने कहा कि भारतीय समाज के विकास के लिए महिलाओं को हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर अधिकार दिए जाने आवश्यक हैं। क्योंकि विश्व को सशक्त होने के लिए उसमें सामानता होना जरूरी है। महाविद्यालय की 60 छात्राओं ने रैली में भाग लिया।

जींद केसरी

बुधवार WEDNESDAY, 14 फरवरी 2024

जैंडर सैंसिटाइजेशन रैली का आयोजन किया

रैली में अभियान चलाती हुई छात्राएं। (मित्तल)

जींद, 13 फरवरी (मित्तल): हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद के लोक प्रशासन विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारत में जैंडर सैंसिटाइजेशन रैली का आयोजन किया गया।

रैली की अध्यक्षता प्राचार्या डॉक्टर पूनम मोर ने एवं संचालन लोक प्रशासन विभाग की प्राध्यापिका डॉक्टर रचना दलाल तथा समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका ज्योति जागलान ने किया। प्राचार्या ने कहा कि स्वतंत्र भारत के संविधान में स्त्री-पुरुष दोनों को समानता का अधिकार दिया गया है परंतु फिर भी भारतीय समाज में आज भी महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कम आंका जाता है, उन पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जाती हैं।

उन्होंने कहा कि जैंडर भेद सांस्कृतिक है न कि प्राकृतिक। जैंडर भेद मानव निर्मित है, उसे मानव ही बदल सकता है। जैंडर भेद के कारण ही महिलाओं पर हिंसा आज बढ़ती जा रही है, उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए एवं सशक्त बनाने के लिए आज पूरे समाज को जैंडर संवेदनशीलता की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भारतीय समाज के विकास के लिए, महिलाओं को हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर अधिकार दिए जाने आवश्यक हैं क्योंकि 'एक समान विश्व एक सशक्त विश्व है' अर्थात विश्व को सशक्त होने के लिए उसमें समानता होना जरूरी है। महाविद्यालय की 60 छात्राओं ने रैली में भाग लिया।

छात्राओं ने महिलाओं का अधिकार, मानव का अधिकार, लड़का-लड़की हैं एक समान, दोनों को दो पूरा सम्मान, लड़के होते हैं अगर घर की शान, तो लड़की भी है बाबुल का मान, महिला सशक्त तो विश्व सशक्त जैसे नारों के साथ जागरूकता रैली निकाल कर जनता को लिंग भेदभाव को समाप्त करने एवं अपने बेटे-बेटियों को समान अधिकार देने के लिए, जागरूक करने का प्रयास किया।